then how does the Government propose to stop erosion of valuable lands and siltation of rivers without providing the tunnels for the unused and bare lands?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: As stated already, we have schemes for these also.

श्री दुर्गा चन्द : मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि अभी जो इम्फाल में नेशनल सेमिनार एग्रो फोरेस्ट्री पर हुआ है, उस में क्या सारी स्टेट्स का रिप्रेजेन्टेशन था, उस सैमिनार में सब स्टेट्स के रिप्रेजेन्टेटिव्ज शामिल थे और क्या उस में इन बातों पर विचार हुआ है कि जो कोस्टल एरियाज हैं और हमारी जो हिमालियन रेन्ज है और जो ड्राई एरियाज हैं, उन में कौन से द्रख्त उगाए जाएं, जो फ्यूल इनर्जी का काम दे सकें ? मैं जानना चाहता हूं कि कौन से द्रख्त प्लान्ट करने के लिए उन्होंने अपनी रिकमेंडेशन्स दी हैं या सजेशन्स दी हैं और क्या कोई स्कीम गवर्नमेंट आफ इन्डिया की है, जिस में ड्राई एरियाज में द्रख्त उगाए जाएं । और वे जल्दी उग सकें और वे फ्यूल एनर्जी, टिम्बर और फोडर के काम आ सकें ? क्या कोई रिसर्च भी इस बारे में की गई है ?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : यह सैमिनार जो हुआ था, उस में तीन दिन तक डिस्कशन चली और सब स्टेट्स ने उस में पार्टीसिपेट किया । उस में जो डिस्कशन हुई, वह इसी बात पर हुई कि फ्यूल के लिए और फोडर के लिए कौन से द्रख्त लगाए जाने चाहिए, जिन से लकड़ी जल्दी मिल सके, फोडर भी मिल सके और फ्रूट्स भी मिल सकें । इन्हीं बातों पर सारी बहस हुई थी ।

SHRI M. RAM GOPAL REDDY: Mr. Speaker, Sir, after the advent of Janata Government, the forest is being indiscriminately destroyed. I want to know whether, as in Punjab, they are growing trees on either side of the road, the scheme is going to be extended throughout the country. If so, how much time will the Minister take for this programme?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: Growing of trees alongside the roads is also being done under social forestry scheme. Punjab has done well; Haryana has also done well. Some other States like Gujarat are doing very well. Some States are doing a very good work in this. Some States are lagging behind. We have written letters to all of them. They come to seminars. There also we talk to them about this. We have called their officers also so that afforestation is done in all the States. That is needed also. I may tell the hon'ble Member that during the last 30 years there has been large-scale de-forestation. We are making maximum efforts now for planting more and more trees. The hon'ble Members will be pleased to know that this year we are thinking of planting about 30 crore trees.

SHRI N. TOMBI SINGH: I would like to express my appreciation for the seminar sponsored by the Government of Manipur and ICAR. The State of Manipur and the adjoining areas have been suffering from acute shortage of plantation. Since the Second World War there has been indiscriminate destruction of forests and there has not been sufficient programme for afforestation all these years. May I know whether ICAR will take initiative and not leave it to the State governments which have practically no financial resources and suggest means as quickly as possible—not awaiting the recommendations which may come very late—and provide adequate funds for the implementation of the recommendations so received.

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: ICAR is a research body. They do not go in the field for growing plants. This is the function of the State governments. They will make recommendations whatever recommendations are to be made for that particular area and this Conference was held for that very reason in that area.

Shortage of Drinking Water in Delhi

\+

* 2. SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK:

SHRI CHIMANBHAI H. SHUKLA:

Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) whether there has been acute shortage of drinking water in the

Capital during the summer particularly in the month of June, 1979 and not a single drop of water was available in the taps for days together;

(b) if so, what are the reasons; and

(c) the arrangements which have been made to solve it?

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम किंकर) : (क) तथा (ख). राजधानी में इस वर्ष गर्मियों के दौरान विशेषकर जून, 1979 में पीने के पानी की कमी हुई, किन्तु यह कहना सही नहीं है कि इन दिनों नलों में पानी की एक बूंद भी उपलब्ध नहीं थी ।

इस अवधि के दौरान पानी की मांग में अस्थायी वृद्धि होने और बिजली की सप्लाई में रुकावट आने से यह कमी हुई थी ।

(ग) दिल्ली में पीने के पानी की सप्लाई बढ़ाने को ध्यान में रखते हुए जो कुछ दीर्घावधि और अल्पावधि उपाए किए जा रहे हैं उनके मुख्य ब्यौरे विवरण में दिए गए है जो सभा पटल पर रखा है ।

विवरण

दिल्ली में पीने के पानी की सप्लाई बढ़ाने के उपायों के मुख्य ब्यौरे

दीर्घावधि उपाय (जो किए जा रहे हैं)

1. शेष 50 एम०जी०डी० वाले जल शोधन संयंत्र को हैदरपुर में शीघ्र चालू करना ।

2. 6 अतिरिक्त आर० सी० सी० कुओं का निर्माण ।

3. उत्तरी शाहदरा में एक 100 एम०जी० डी० वाले नये जल शोधन संयंत्र का निर्माण ।

4. राष्ट्रीय पर्यावरणीय अभियन्त्रिकी अनुसन्धान संस्थान, नागपुर द्वारा नई दिल्ली नगर पालिका की वितरण प्रणाली का अध्ययन एवं विश्लेषण करना ताकि इसे अधिक साम्यिक बनाया जा सके । दिल्ली नगर निगम द्वारा भी ऐसा अध्ययन करवाने का प्रस्ताव है ।

अल्पावधि उपाय

1. केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग ने कुछ सरकारी कालोनियों में 5 नलकूप लगा दिए हैं तथा 26 और नलकूप लगाने का प्रस्ताव है ।

2. पानी के टपकने की शिकायतों को तुरन्त ठीक करने के लिए दिल्ली नगर निगम में एक लीकेज रिमेयर सैल बनाया गया है ।

3. जलपूर्ति लाइनों में रूकावट का पता लगाने तथा रूकावटों को दूर करने के लिए दिल्ली नगर निगम द्वारा अपने क्षेत्र में प्रेशर-सर्वेक्षण आरम्भ कर दिए गए हैं ।

4. मोती बाग, लक्ष्मी बाई नगर, नौरोजी नगर, काका नगर जैसी सरकारी कालोनियों में भूमिगत टैंकों का निर्माण करना और बूस्टिंग का प्रबन्ध करना । सरोजिनी नगर और नेताजी नगर के लिए भी इसी प्रकार के प्रस्ताव आरम्भ कर दिए गए है ।

5. 2 एम० जी० डी० सप्लाई को पूरा करने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका ने 22 नलकूप लगा दिए हैं तथा 5 और नलकूप बनाए जा रहे हैं ।

6. कुछ क्षेत्रों में सप्लाई/प्रेशर में सुधार करने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका ने 18 बूस्टर पम्प लगाए हैं ।

7. नई दिल्ली नगरपालिका ने साफ पानी की बर्बादी/दुरुपयोग को रोकने के लिए कदम उठाए हैं ।

8. आपात स्थिति में सप्लाई करने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका के पास 6 टैंक और 3 ट्रालियां हैं ।

श्री मुख्तियार सिंह मलिक : स्पीकर साहब, बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि दिल्ली जो कि कैप्टिल सिटी आफ इंडिया है, तक में पानी की कमी है । वैसे तो देश के अन्दर हरेक चीज की कमी होती जा रही है, यहां तक कि अक्ल की भी कमी होती जा रही है और इसका मुजाहरा यहां पर लोक सभा में भी देखने को मिलता है । मुझे बड़े शर्म के साथ कहना पड़ता है कि मुझे मिनिस्टर साहब के इस जवाब को सुन कर बड़ा ताज्जुब हुआ । उन्होंने अपने जवाब में कहा है—

"...it is incorrect to say that not a single drop of water was available in the taps for days together."

दिल्ली के मोहल्लों में जो हालत थी उसे तो क्या, मैं अपने साउथ एवेन्यू के फ्लेट्स की बात उन्हें बताना चाहता हूं । मेरे फ्लेट म दो रोज तक पानी नहीं आया ।

MR. SPEAKER: Kindly put the question.